Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 17-03-2006
Participants : Dubey Shri Chandra Shekhar

an>

Title : Need to solve acute drinking water problem in Jharkhand.

श्री चन्द्र शेखर दूबे (धनबाद) : अध्यक्ष महोदय, झारखंड सम्पूर्ण राज्य पहाडी क्षेत्र है। यहां पर जलस्तर काफी नीचे है। गत वर्ा के सुखाड़ के कारण जलस्तर और भी नीचे चला गया है। राज्य सरकार द्वारा पेयजल से संबंधित सभी योजनायें निफल साबित होने लगी हैं। चटवा कल, कुआं, तालाब, नदी, नाले आदि ग्रीम ऋतु प्रारंभ होने के पूर्व ही सूखने लगे हैं। मैथन डेम से धनबाद कोलफील्ड को पेयजल की आपूर्ति दामोदर से चास प्रखंड पेयजल योजना तथा गवाई बैराज योजना आदि पेयजल आपूर्ति की अन्य बड़ी योजनाएं पूरी नहीं हो पायी हैं, अधूरी ही लटकी हुयी हैं। अर्थात पूरे झारखंड में गर्मी का मौसम आते ही पेयजल की समस्या प्राकृतिक आपदा का रूप लेने जा रही है। राज्य सरकार इस संभावित आपदा के प्रति न ही संवेदनशील है, न ही कोइ ठोस आकस्मिक प्रबंध योजना के प्रति सजग। यहां तक कि 100 दिन रोजगार के लिए तालाब निर्माण की योजना राज्य सरकार द्वारा चलायी गयी थी उसमें तालाब में पानी निकालने का प्रश्न ही नहीं रहा। चूंकि पेयजल की समस्या आम जनता से जुड़ी हुयी समस्या है। अतः भारत सरकार का भी यही दायित्व बनता है कि इस संभावित समस्या के प्रति जागरूक हो।

अतः मैं सरकार से मांग करता हूं कि केन्द्रीय विशेाज्ञों की टीम झारखंड भेजकर स्थिति का जायजा लिया जाये तथा पेयजल आपूर्ति की समस्या को प्राकृतिक आपदा प्रबंधन के अंतर्गत लेते हुए युद्ध स्तर पर झारखंड में आकस्मिकता निधि से पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाये।